फ्रांस की पूर्व प्रथम महिला कार्ला ब्रूनी जल्द ही अपना नया म्यूजिक अलबम पेश करने वाली हैं। 2008 में विवाह करने के बाद वह संगीत से दूर चली गई थीं

पाक जनता भी उठा रही है सवाल

नई दिल्ली | सेंट्रल डेस्क

पाकिस्तानी सेना द्वारा दो भारतीय सैनिकों की बर्बर हत्या के बाद पाकिस्तान नए सिरे से सवालों के घेरे में है। भारत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए उसकी मंशा पर उंगली उठाई है। जबकि पाकिस्तानी अवाम खुद हुक्मरानों से यह जानना चाहती है कि मुल्क में समय से आम चुनाव होंगे या नहीं होंगे।

वास्तव में पाकिस्तान इस समय चौतरफा चुनौतियों से घिरा हुआ है। उसके इतिहास में पहली बार कोई निर्वाचित सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है। लेकिन अनिश्चिय का आलम यह है कि देश में 'देश बचाओ' के नारे लगातार बुलंद हो रहे हैं। मौजूदा सरकार का कार्यकाल 18 मार्च को पूरा हो रहा है।

सूत्रों की मानें तो अप्रैल में निर्धारित आम चुनाव में कुछ महीनों से लेकर कई साल तक की देरी हो सकती है। इससे देश के कई धड़े नाराज हैं और समय पर चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर प्रभावी गैर राजनीतिक संगठन 'तहरीक ए मिनहाज उल कुरान' के नेता डॉक्टर तहीर उल कादरी ने 14 जनवरी को लाहौर से इस्लामाबाद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। इसमें 40 लाख लोगों के शिरकत करने की उम्मीद है। इस मार्च को पाकिस्तान अवामी तहरीक, अवामी मुस्लिम लीग, तहरीक ए तवफेज ए पाकिस्तान और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट जैसी पार्टियों ने भी समर्थन दिया है। इस मार्च को लेकर पीपीपी नीत गठबंधन सरकार दबाव महसूस कर रही है। बीते सोमवार गृहमंत्री रहमान मलिक ने खुद कादरी से मुलाकात कर मार्च को रोकने का आग्रह कर चुके हैं।

सरकार, सेना व अदालत : सत्ता की रस्साकशी

पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही वहां सैन्य प्रभुत्व का इतिहास रहा है। इस वजह से बीते 65 साल में लोकतंत्र की मजबूती बाधित हुई है। अभी सेना प्रमुख और लोकतांत्रिक सरकार दोनों के ही कार्यकाल समाप्त होने को हैं। सेना प्रमुख अशरफ परवेज कयानी को वर्ष 2010 में तीन साल का सेवा विस्तार दिया गया था, जिससे वह इस साल के अंत तक सेना प्रमुख बने रहेंगे। वहीं नेशनल एसेंबली का कार्यकाल भी इस साल अप्रैल में खत्म हो रहा है।

आतंकवाद से अलगाववाद तक : दोहरा मोर्चा

यह आतंकवाद ही है जिसको पनाह देने के कारण पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश कहा जाता है। यहां अलकायदा, तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान, हक्कानी समूह, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आंतकी संगठन और उनके सरगना सक्रिय हैं। ये संगठन अपनी गतिविधियों के लिए जनता से खुले आम चंदा उगाही करते हैं। अफगानिस्तान से 2014 में अमेरिका नीत नाटो सेना की वापसी के बाद क्षेत्र में आतंकवादियों की ताकत बढ़ने का अंदेशा पाक सरकार के लिए परेशानी बन सकता है। हालांकि वह अफगानिस्तान में भारत के खिलाफ इसका इस्तेमाल करने की बात सोच सकती है।

देश की खबरों के लिए देखें
www.livehindustan.com

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा- वीजा समझौता लागू रहेगा, पाक विदेश मंत्री ने भी जताई शांति की उम्मीद

पाकिस्तान से वार्ता जारी रखेगा भारत

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों के हमले के बाद पैदा हुए तनाव के बीच दोनों देशों की ओर से हालात को सामान्य बनाए रखने की कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि ताजा घटनाक्रम के बावजूद पाकिस्तान के साथ भारत शांति प्रक्रिया जारी रखेगा। वहीं, इस्लामाबाद में पाकिस्तान की विदेश मंत्री हिन्ना रब्बानी खार ने भी द्विपक्षीय संबधों में सुधार पर बातचीत जारी रहने की उम्मीद जताई।

गृह मंत्री शिंदे ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दोनों देशों के बीच हाल में जो वीजा समझौता हुआ है, वह जारी रहेगा। दरअसल, इस घटना के बाद यह मांग उठ रही थी कि पाकिस्तान के साथ हुए वीजा समझौते पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। मगर, सरकार ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है।

पिछले दिनों पाकिस्तान के गृह मंत्री अब्दुल रहमान मलिक व शिंदे ने इस समझौते को शुरू किया था। इसके कुछ प्रावधान हालांकि लागू हो चुके हैं। मगर, अराइवल वीजा समेत समूह पर्यटक वीजा संबंधी प्रावधान 15 मार्च से लागू होने हैं।

शिंदे ने माना कि पाकिस्तानी सैनिकों के भारतीय जवानों पर हमले से पूर्व लश्कर-ए-तैयबा का प्रमुख हाफिज सर्दइ पाक अधिकृत कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्र में आया था। उसने वहां कुछ बैठकें भी की थीं। खुफिया सूचनाओं में सरकार को यह जानकारी मिली है।

यह पूछने पर कि भारतीय सैनिकों पर हमले में पाक सेना के साथ सईद भी शामिल था, इस पर शिंदे ने कहा कि अभी सरकार के पास ऐसी सूचना नहीं है। मगर, पूरी घटना की जांच के साथ खुफिया जानकारी भी ली जा रही है। एक सवाल के जवाब में शिंदे ने कहा कि मुंबई हमले के गवाहों से पूछताछ के लिए पाकिस्तान न्यायिक आयोग के भारत आने की तिथि अभी तय नहीं की गई है। हालांकि, उन्होंने पाक आयोग की इस यात्रा को सकारात्मक कदम बताया और कहा कि भारत चाहता है कि यह मामला जल्द बंद हो।

वहीं, इस्लामाबाद में पाकिस्तानी विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने कहा कि सीमा पर उनके सैनिकों की ओर से हमला नहीं किया गया है। उन्होंने इस घटना की जांच संयुक्त राष्ट्र से कराने की पेशकश दोहराते हुए कहा कि इससे वस्तुस्थिति साफ हो जाएगी। हिना ने उम्मीद जताई कि सीमा पर संघर्ष विराम उल्लंघन के मामले से दोनों देशों के बीच शांति प्रक्रिया बाधित नहीं होगी।

अमेरिका ने भी दी बातचीत की सलाह

सीमा पर हमले के बाद बने तनाव के मद्देनजर अमेरिका ने भी भारत व पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में जाने की बजाय आपसी बातचीत से शांति कायम करने की सलाह दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता विक्टोरिया नुलैंड ने गुरुवार को वाशिंगटन में कहा कि विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने दोनों देशों के संबंधों में सुधार के लिए अपने राजदूतों को भी सहायता करने को कहा है।

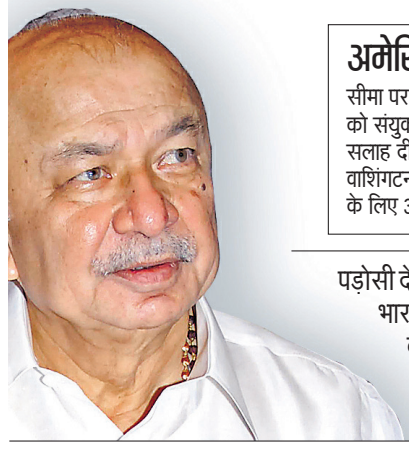

पड़ोसी देश के साथ संबंधों में सुधार को लेकर भारत अपने रुख पर कायम है। पाकिस्तान के साथ हाल में हुए वीजा समझौते पर भी पूरी तरह अमल होगा।
सुशील कुमार शिंदे, केंद्रीय गृह मंत्री

हमें उम्मीद है कि सीमा पर ताजा घटनाक्रम से द्विपक्षीय शांति प्रक्रिया को धक्का नहीं लगेगा। दोनों देश परिस्थितियों में सुधार की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दिखाएंगे।
हिना रब्बानी खार, पाकिस्तानी विदेश मंत्री

पाकिस्तानियों की राय

पाकिस्तान की सेना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए भारत के साथ सीमा युद्ध का खतरनाक खेल खेल रही है।
-तारेक फतह, पाकिस्तान

अगर पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक हालात का मंचन किया जाए तो इसे शीर्षक दिया जाएगा 'इश्क ए मामू'।
डॉक्टर शाहिद मसूद, वरिष्ठ पत्रकार

मेरी आंखें सिर्फ कादरी पर टिकी हैं। अगर उनके संसाधन और प्रेरणा को उनके विरोधी सामने रखेंगे तो उनका कच्चा चिट्ठा खुल जाएगा।
सुलेमान, पाकिस्तान

संघर्ष विराम उल्लंघन पर हो बात

नई दिल्ली। भाजपा ने कहा है कि भारत हमेशा पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंधों का पक्षधर रहा है। मगर, सीमा पार से संघर्ष विराम का बार-बार उल्लंघन हो रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

केंद्र सरकार को पाकिस्तान से बातचीत को संघर्ष विराम और आतंकवाद के मुद्दे पर केंद्रित करना चाहिए। सीमा पर पाकिस्तानी सैनिकों के हमले में दो भारतीय सैनिकों की बर्बरतापूर्ण हत्या के विरोध में भाजपा शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन करेगी।

भाजपा प्रवक्ता निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को यहां कहा कि 2003 में दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते के बाद से पाकिस्तानी सेना कम से कम 72 बार इसका उल्लंघन कर चुकी है।

बारिश में अंतर से धान में चावल के बदले खखरा

मुजफ्फरपुर | अतुल कुमार सिंह

चित्र में जो धान का खेत दिख रहा है, इसकी फोटो नवंबर 2012 के शुरू में ली गयी। इसमें धान की फसल बहुत ही कमजोर है। इतना कमजोर की उसमें धान लगने पर ही संदेह है। लगा भी तो बहुत कम उपज होनेवाली है।

यह खेत उत्तर बिहार के समस्तीपुर जिले के महमदा गांव स्थित अरविंद सिंह का है, जो मुजफ्फरपुर से पूसा रोड पर स्थित है। गांव में अरविंद सिंह का घर है लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। खेत के पास ही चाय की दुकान पर रामेश्वर पासवान नामक 80 साल के एक बुजुर्ग से मुलाकात हुई, जिन्होंने यहां की खेती के बारे में बताया। उनका कहना है कि हथिया नक्षत्र में पानी बरसा। न तो इससे पहले रोपनी के समय अच्छी बारिश हुई और न ही हथिया के बाद। धान की इस कमजोर फसल का सबसे बड़ा कारण यही है। यह स्थिति तब है जब जिले और आसपास के किसान इस साल को पिछले कुछ सालों की तुलना में कृषि, खासकर धान की खेती के लिहाज से बेहतर मान रहे हैं। ऐसे में पिछले सालों में क्या हुआ होगा, इसका अंदाजा आप खुद लगा सकते हैं। इस तरह की कमजोर फसल वाला यह अकेला मामला नहीं है।

उत्तर बिहार में आमतौर पर ऐसे खेत मिल जाएंगे। पिछले 20-30 सालों में इलाके की फसली स्थिति बद से बदतर ही होती गई है। मानसूनी बारिस की कमी, असमय वर्षा, गर्मी में बढोतरी और अन्य प्राकृतिक कारणों के साथ ही कुछ कृत्रिम व प्रशासनिक कारण भी रहे हैं। लेकिन ध्यान देने वाली बात है कि जलवायु परिवर्तन के कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले जिस असर की बात विशेषज्ञ करते रहे हैं, उसका नतीजे की शुरुआत इन खेतों में देखी जा सकती है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले पचास सालों में मानसून एक महीना आगे खिसक गया है।

इस बदलाव के कारण धान की कई शुरुआती किस्में पूरी तरह नष्ट हो गई। हां, प्रयोगशालाओं में विकसित नई फसलें जरूर आई हैं लेकिन स्वाद, पौधे, लागत और देखड्डाल में वह बात नहीं है। कृषि विज्ञान की प्रयोगशाला यहां से 20 किलोमीटर ही पूरब ढोली स्थित तिरहुत कृषि कॉलेज में है और राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय ममस्तीपुर जिला स्थित पूसा में।

शहीद जवान का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

सीधी (म.प्र.) | भाषा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों के हमले में शहीद हुए लांस नायक सुधाकर सिंह बघेल का गुरुवार को मध्य प्रदेश में उनके गांव गढ़िया में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस हमले में उत्तर प्रदेश के मथुरा के जवान हेमराज भी शहीद हो गए थे। उनके पार्थिव शरीर का बुधवार शाम ही अंतिम संस्कार कर दिया गया था।

सुधाकर सिंह का पार्थिव शरीर सुबह उनके गांव पहुंचाया गया। अंतिम संस्कार से पहले सेना के जवानों ने उन्हें सलामी दी। सुधार के बड़े भाई सत्येंद्र सिंह ने पार्थिव शरीर को मुखग्नि दी। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे।

सुधाकर सिंह (फाइल फोटो)।

परिवार को 20 लाख देगी यूपी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मथुरा जिले के निवासी शहीद हेमराज के परिवार को बीस लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। यह जानकारी गुरुवार को यहां प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने दी है। सीमा पर तैनात सेना के लांस नायक हेमराज को पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना ने बर्बरता पूर्वक मार दिया था। **(वि.सं.)**

हेमराज (फाइल फोटो)।

पाक में घुसकर हो कार्रवाई : शिवसेना

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों के हमले में दो भारतीय जवानों की हत्या पर शिवसेना ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम उठाने की मांग की है।

पार्टी का कहना है कि ऐसा करने से ही देश के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि मिल पाएगी। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जो दरिंदगी दिखाई है, उसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

उद्धव ठाकरे का यह बयान गुरुवार को पार्टी के मुखपत्र सामना में छपा है। उन्होंने कहा, 'एक तरफ पाकिस्तानी सैनिक हमारी सीमा में घूसकर देश के जवानों का सिर काट रहे हैं और दूसरी तरफ हम उनके साथ क्रिकेट खेल रहे हैं, यह गलत है। भारत को भी पाकिस्तान में घूसकर इस घटना का बदला लेना चाहिए। अगर, अमेरिका या इंग्लैंड के साथ ऐसा होता तो अब तक जवाबी कार्रवाई हो गई होती।' शिवसेना के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत ने भी कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ सारे रिश्ते तोड़ कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। **(वि.सं.)**

आईना

भारतीय को 32 लाख का मुआवजा

दुबई। ओमान की राजधानी मस्कट की एक अदालत ने दो साल पहले सड़क हादसे में विकलांग होने वाले एक भारतीय नागरिक को 32 लाख रुपये मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। टाइम्स ऑफ ओमान ने एक कानूनी सलाहकार के हवाले से दी खबर में बताया कि यह राशि (25 हजार ओमानी रियाल) भारतीय दूतावास के जरिए पीड़ित शशिकुमार को भेजी गई है।

जॉर्जिया के राष्ट्रपति से जनता ने मांगा इस्तीफा

तबलिसी। जॉर्जिया में 10 लाख से अधिक लोगों यानी देश की आबादी के एक चौथाई हिस्से ने एक मांग पत्र पर हस्ताक्षर कर राष्ट्रपति मिखाइल साकाशविली से इस्तीफा देने की मांग की है। जार्जिया के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्षों का है। उनका कार्यकाल 20 जनवरी 2013 को खत्म हो रहा है।

जैक ल्यू हो सकते हैं अमेरिका के वित्त मंत्री

वाशिंगटन। राष्ट्रपति बराक ओबामा अपने दूसरे कार्यकाल में वित्त मंत्रालय का कार्यभार ल्यू को दे सकते हैं। चर्चा है कि टिमोथी गेथनर के स्थान पर व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ ल्यू को देश के नए वित्त मंत्री के रूप में नामित किया जा सकता है।

एयर इंडिया की दिल्ली-पेरिस उड़ान शुरू

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने दिल्ली-पेरिस-दिल्ली रूट पर गुरुवार से अपनी नयी दैनिक उड़ान सेवा शुरू की। इसके लिए बोइंग 787 ड्रीमलाइन विमान का इस्तेमाल किया गया। कंपनी ने छह दिन पहले छठा ड्रीमलाइनर विमान प्राप्त किया था।

राजकुमारी कहलाएगी शाही परिवार की बेटी

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने घोषणा की है कि प्रिंस विलियम और केट मिडल्टन की होने वाली पहली संतान अगर लड़की होगी तो वह 'राजकुमारी' कहलाएगी। इस परिवार में जन्मी बेटी को पैदाइश के साथ राजकुमारी का खिताब नहीं मिलने का नियम टूट गया।

किराया वृद्धि से सहयोगी भी नाराज

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान टीम

रेल किराए में बुधवार को की गई बढोतरी के खिलाफ न केवल विपक्षी दल मुखर हैं, बल्कि यूपीए सरकार के कुछ सहयोगी भी नाराज हैं। यूपीए के एक महत्वपूर्ण सहयोगी डीएमके ने गुरुवार को कहा कि वह गरीबों को प्रभावित करने वाले किसी भी तरह के किराए में वृद्धि का समर्थन नहीं करेगी वहीं, बाहर से समर्थन दे रही बसपा की प्रमुख मायावती ने तो इसे जन विरोधी ही करार दे दिया है।

रेल किराए में बढ़ोतरी संबंधी घोषणा किए जाने के बारे में जब डीएमके प्रमुख एम. करुणानिधि से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसे किसी भी बढ़ोतरी का समर्थन नहीं करती है जिससे गरीब पर प्रभाव पड़े। एक अन्य सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि पार्टी सांसदों के जरिए यह मुद्दा प्रधानमंत्री के समक्ष उठाया जाएगा।

उधर, मायावती ने रेल मंत्रालय का कांग्रेसीकरण हो जाने का आरोप लगाते हुए लखनऊ में कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोग रेल से सबसे ज्यादा सफर करते हैं और ताजा वृद्धि का इन्हीं तबकों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। ऐसी स्थिति में बसपा ने मनमाने ढंग से बढ़ाए गए रेल किराए को जनहित में तुरंत वापस लेने की मांग की। मायावती ने सीमा पर गोलीबारी पर चिंता जताते हुए कहा कि रक्षा और गृह मंत्रालयों को गंभीरता से विचार कर पाकिस्तान के साथ कड़े शब्दों में बात करनी चाहिए।

प्रमुख वामदल भाकपा ने भी रेल किराए में वृद्धि को अनुचित और अलोकतांत्रिक बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि इस घोषणा से यह स्पष्ट हो रहा है कि रेल किराए में वृद्धि के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने अपने सहयोगी दलों तथा विपक्ष से कोई चर्चा नहीं की। पार्टी ने किराया वृद्धि के खिलाफ आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

रेल किराया

- समर्थन नहीं करेगी, प्रधानमंत्री के समक्ष मुद्दा उठाएगी डीएमके
- बसपा ने की रेल किराए में बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग

सरकार को रेल किराए में बढोतरी करनी पड़ी क्योंकि जनसेवाओं का स्तर बरकरार रखने के लिए धन खर्च होता है। यह वित्तीय खर्च सार्वजनिक, निजी भागीदारी के जरिए पूरा करना है।
मनीष तिवारी, सूचना-प्रसारण मंत्री, ट्विटर पर

किराए में वृद्धि अच्छा फैसला : चिदंबरम

नई दिल्ली। रेल किराए में बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए वित्तमंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि आज भारतीय रेल की जो वित्तीय स्थिति है उसके हिसाब से यह बहुत अच्छा आर्थिक फैसला है।

चिदंबरम ने इस फैसले पर विपक्ष की आलोचना को बहुत अधिक महत्व न देते हुए कहा कि उसके लिए किराया बढ़ाने के विरोध को केवल विरोध के लिए विरोध करना जायज ही कहा जाएगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'मुझे लगता है कि ए ठोस आर्थिक फैसले हैं। मुझे लगता है कि हमें इन फैसलों का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।' उन्होंने कहा रेल किराए में बढ़ोतरी आर्थिक फैसला है। रेल किराया पिछले 10 साल से नहीं बढ़ा है।